लोक सभा

अतारांकित प्रश्नस संख्या960

02 मार्च, 2015 को उत्तार के लिए

एनएमडीसी की छर्रा-निर्माणी इकाइयां

960. श्री शिशिर कुमार अधिकारी:

क्या इस्पा्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) का पाइपलाइन परियोजनाओं का विस्तार करने और एक छर्रा-निर्माणी इकाई शुरू करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्तमान कर संरचना के कारण छर्रा उद्योग विगत दो वर्षों से समस्याओं का सामना कर रहा है;

(घ) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान निर्यात और उससे अर्जित विदेशी मुद्रा का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा देश में छर्रा उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्त)र

इस्पा ात और खान राज्यर मंत्री **श्री विष्णुण देव साय**

(क) और (ख): जी हां, एनएमडीसी किरनदुल से नागरनार तक और नागरनार से विजाग तक स्लरी पाईपलाईन परियोजनाओं की स्थापना को प्रस्तावित कर रहा है। एनएमडीसी निम्नलिखित पैलेट संयंत्रों की स्थापना कर रहा है:-

(i) दोणिमल्लै, जिला बेल्लारी, कर्नाटक में 1.2 एमटीपीए क्षमता का पैलेट संयंत्र
(ii) नागरनार, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़ में 2.0 एमटीपीए क्षमता का पैलेट संयंत्र
(iii) आंध्र प्रदेश के विजाग जिले में 6.0 एमटीपीए क्षमता का पैलेट संयंत्र

(ग) और (घ): सरकार ने लौह अयस्क पैलेटों के निर्यात पर जनवरी 2014 से 5 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जिसका पैलेट उद्योग पर प्रभाव पड़ रहा है। गत दो वर्षों के दौरान लौह अयस्क पैलेट के निर्यात और उससे अर्जित विदेशी मुद्रा के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :-

वर्ष	**मात्रा (टन)**	**मूल्य (अमरीकी डॉलर)**
2012-13	20	3903
2013-14	1712975	247224029
2014-15 (अप्रैल – नवम्बर)	367129	50764507

(ड.): घरेलू इस्पात उद्योग हेतु लौह अयस्क की उपलब्धता बढ़ाने के लिए लौह अयस्क पर शुल्क बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे पैलेट उद्योग को फायदा पहुंचने की प्रत्याशा है।

******